Rajya Sabha, I am directed to return herewith the Appropriation (No. 3) Bill, 1976, which was passed by the Lok Sabha at its sitting held on the 12th March, 1976, and transmitted to the Rajya Sabha for its recommendations and to state that this House has no recommendations to make to the Lok Sabha in regard to the said Bill.'

(iv) 'In accordance with the provisions of sub-rule(6) of rule 186 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Rajya Sabha, I am directed to return herewith the Pondicherry Appropriation (No 2) Bill, 1976, which was passed by the Lok Sabha at its sitting held on the 11th March, 1976, and transmitted to the Rajya Sabha for its recommendations and to state that this House has no recommendations to make to the Lok Sabha in regard to the said Bill

(v) 'In accordance with the provisions of sub-rule (6) of rule 186 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Rajya Sabha I am directed to return herewith the Nagaland Appropriation (No 2) Bill, 1976, which was passed by the Lok Sabha at its sitting held on the 11th March, 1976, and transmitted to the Rajya Sabha for its recommendations and to state that this House has no recommendations to make to the Lok Sabha in regard to the said Bill.'

12.05 hrs.

COMMITTEE ON PUBLIC UNDERTAKINGS

SEVENTY-EIGHTH REPORT

SHRI NAWAL KISHORE SHARMA (Dausa): I beg to present the Seventy-eighth Report of the Committee on Public Undertakings on Action Taken by Government on the recommendations contained in their Sixty-second Report on Rural Electrification Corporation Limited.

12.06 hrs.

RAILWAY BUDGET, 1976-77—GENERAL DISCUSSION..*Contd*

MR SPEAKER. Shri Kamlapathi Tripathi to continue his reply

रेल मन्त्री (श्री कमलापति त्रिपाठी) : मान्यवर, कल आप की आज्ञा से तीन दिनों में जो बहस रेलवे पर हो रही है उन का उत्तर देने के लिये खड़ा हुआ था। समय बीता इसलिए आज उत्तर देने की आज्ञा आप ने मुझे दी है। मान्यवर, इस बार के बजट पर कुछ विशेष बातें देखने में आयीं। एक बात तो यह देखने में आयी कि इस बजट का उत्तर दे ना क्या है। जो बहस हुई उस में विरोधी दल ने कोई हिस्सा नहीं लिया। शायद उन्हें कुछ मिला नहीं विरोध करने के लिये। सोचा होगा कि धर्म है उन का कि विरोध किया जाये इसलिये धर्म का पालन करना चाहते थे अपने, पर उस का मौका नहीं मिला। एक दूसरे ढंग से उन्होंने समर्थन प्रदान किया। वह यह कि उठ कर के यहां से चले गये सब के सब। आज तो दर्शन हो रहे हैं कुछ मूर्तियों के; लेकिन तीन दिन जब बहस हुई तो मान्यवर, आप ने भी देखा होगा, मैं ने एक बार ध्यान भी आकृष्ट किया था, कोई नहीं था यहां। मैं ने एक बात और देखी।

श्री भोगेन्द्र झा (जयनगर) : अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय जो बोल रहे हैं, आप जानते हैं कि एक एक दल से दो, दो तीन, तीन लोग बोले हैं। अगर उन्होंने नहीं सुना है तो अपने साथी माननीय कुरैशी जी से पूछ लें जो नोट कर रहे थे।